एक नजर में

माता रानी को विदाई दी, निकली आकर्षक झांकियां

मक्सी, 3 अक्टूबर . शारदीय नवरात्रि पर्व के समापन के बाद शुक्रवार को ग्यारस के दिन मक्सी वासियों ने माता रानी को भावभीनी विदाई दी . इस अवसर पर मक्सी में एक विशाल विसर्जन चल समारोह निकाला गया . जिसमें आकर्षक झांकियां शामिल हुई . सुबह 12 बजे सभी झांकियां अपने अपने मंच से एका एक इकट्ठा हुई . जिसके बाद एक विशाल विसर्जन चल समारोह की शुरुआत हुई . विसर्जन चल समारोह में उज्जैन, देवास और आसपास के बैंडबाजे एवं ढोल ताशे ने माता के मधुर भजनों से समा बंधा और 9 दिन तक माता की भक्ति करने वाले मां के भक्त भी अपने पैरो को थिरकने से रोक नहीं सके . इस दौरान जुलूस में कालका माताजी के रूप में कलाकारों ने , झाबुआ के भगोरिया नृत्य करने वाले आदिवासी कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति दी तो भोलेनाथ हनुमान जी वेश भूषा में आए कलाकारों ने अपनी कला से लोगों को एक ही जगह ठहरने पर विवश कर दिया . सुंदर बग्घी पर सवार राधा कृष्ण की जोड़ी ने चल समारोह में मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया . इस दौरान मक्सी के विशेष स्थानों पर पूड़ी सब्जी का भंडारा किया गया . गौरतलब है कि शाजापुर जिले में मक्सी एक मात्र ऐसा नगर है जहां नवमी की जगह ग्यारस के दिन माताजी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है . चल समारोह को लेकर मक्सी पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद दिखाई दिया . मक्सी में सुरक्षा के मद्देनजर मक्सी थाना प्रभारी संजय वर्मा ने कमान संभाल रखी थी वहीं सुरक्षा के मान से बाहरी अतिरिक्त बल भी सुरक्षा में लगाया गया था . रात्रि में सभी झांकियां एबी रोड पर इकट्ठा हुई जहां से सभी कनासिया रोड़ स्थिति गिट्टी खदान पहुंची जहां पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी और कड़ी सुरक्षा में क्रेन से माताजी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया .

खाद्य विभाग की कार्रवाई, मोदी ट्रेडिंग कंपनी पर छापा

मक्सी, 3 अक्टूबर . नवभारत की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है . खाद्य आपूर्ति विभाग शाजापुर की टीम ने गुरुवार को मक्सी स्थित मोदी ट्रेडिंग कंपनी पर छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की . यहां से राजगिरा और सिंघाड़े के आटे के सैंपल लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं . यह कार्रवाई हाल ही में पांचाल परिवार के छह सदस्यों को हुई फूड पॉइजनिंग की घटना के संबंध में की गई है . मौके पर खाद्य अधिकारी एमके वर्मा, कार्यपालिक दंडाधिकारी जितेंद्र चौरसिया, खाद्य अधिकारी केएल कुंभकार, पीर उमरोद पटवारी मोहित लश्कन, डॉ . अर्पित जैन चिकित्सा अधिकारी सहित पुलिस विभाग से हेड कांस्टेबल वीरेंद्र शर्मा उपस्थित रहे . खाद्य अधिकारी एमके वर्मा ने बताया कि पांचालजी के परिवार के सदस्यों को हुई फूड पॉइजनिंग की शिकायत के बाद मक्सी की मोदी ट्रेडिंग कंपनी पर कार्यवाही की गई . जांच के लिए राजगिरा और सिंघाड़े के आटे के नमूने लिए गए हैं, जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा . जांच रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्यवाही की जाएगी .

दशहरे पर पुलिस थाने में किया शस्त्र पूजन

सुसनेर, 3 अक्टूबर . दशहरे के पावन अवसर पर शुक्रवार की सुबह 11 बजे सोयत रोड स्थित सुसनेर पुलिस थाने पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया . यहां पर एसडीओपी देवनारायण यादव व थाना प्रभारी केसर राजपूत ने विधि विधान से शस्त्रों की पूजा की उसके पश्चात नगर की सुख शांति की कामना को लेकर वैदिक मंत्रोउच्चार के साथ यज्ञ में आहुतियां दी . पूजन की क्रिया पंडित ओमप्रकाश शर्मा के द्वारा संपन्न करवाई गई . इस अवसर पर बड़ी संख्या में थाने का स्टाफ भी मौजूद रहा .

मंडी व सिटी थाने के शस्त्रों की पूजा हुई

शुजालपुर, 3 अक्टूबर . विजयदशमी पर्व पर शस्त्रों की पूजा का बडा महत्व है . वर्षो से चली आ रही इस परम्परा का निर्वाहन आज भी हो रहा है . इस दिन शस्त्रों की साफ-सफाई कर उन्हे पूजा जाता है . साथ ही शस्त्रों का उपयोग बुराई व अन्याय के खिलाफ हो ऐसी कामना की जाती है . इसी परम्परा के चलते क्षेत्र में कई स्थानों पर शस्त्र पूजा का आयोजन हुआ . नगर स्थित पुलिस थाना मंडी व सिटी में शस्त्रों की पूजा मंत्रोच्चार के बीच की गई . इस दौरान एसडीओपी निमेष देशमुख, थाना प्रभारी सिटी प्रवीण कुमार पाठक, थाना प्रभारी मंडी सहित पुलिस अधिकारियों व जवानों के द्वारा पूजा अर्चना करते हुए क्षेत्र में अमन व शांति की कामना की गई . पुलिस थानों में मौजूद बल को दिए गए शस्त्र कतार से रख कर उनकी विधिवत पूजा अर्चना की गई . साथ ही प्रसादी वितरण कार्यक्रम भी हुआ . इसी प्रकार नगर में कई स्थानों पर व्यक्तिगत रूप से भी शस्त्रों की पूजा की गई . राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शाखाओं में भी पूजन कार्यक्रम हुआ .

मक्सी थाना परिसर में शस्त्रों की विधिवत पूजा

मक्सी, 3 अक्टूबर . विजयादशमी के पावन अवसर पर मक्सी थाना परिसर में परंपरागत रूप से शस्त्र पूजन किया गया . थाना प्रभारी संजय वर्मा ने पंडितजी के कहे अनुसार पूरे विधि विधान और मंत्रोच्चार के साथ शस्त्रों की पूजा अर्चना की . इस अवसर पर थाना स्टाफसहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे . दशहरे पर शस्त्र पूजन की यह परंपरा वीरता, शौर्य और धर्म की रक्षा के प्रतीक स्वरूप मानी जाती है . पूजन के बाद सभी अधिकारी एवं जवानों को सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने की शपथ दिलाई गई . इस अवसर पर थाना परिसर में विशेष साफ. सफाई की गई थी .

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, दो घायल

मोहन बड़ोदिया, 3 अक्टूबर . सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई वहीं दो घायल हो गए हैं . मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी प्रेम किशोर व्यास ने बताया कि गुरुवार शाम निपानिया डैम के समीप सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत हुई है . उनकी पहचान रवींद्र पिता रमेशचंद्र गुर्जर निवासी खरड़खेड़ी, युवराज पिता सुनील कंजर निवासी निपानिया और महेंद्र पिता बाबू सिंह राजपूत निवासी कडुला के रूप में हुई है . हादसे में घायल दो अन्य व्यक्तियों का इलाज जारी है . शवों का पोस्टमॉर्टम शुक्रवार सुबह मोहन बड़ोदिया सीएचसी पर करवाकर शव परिजन को सौंपे गए .

जयश्री राम के उद्घोष के साथ हुआ बुराई का अंत

नगरवासियों ने लिया आकर्षक आतिशबाजी का आंनद व उत्साह के साथ संपन्न हुआ दशहरा पर्व

शाजापुर, 3 अक्टूबर. मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का जयकारा अल सुबह से गूंज रहा था और शाम होते-होते लोगों का उत्साह चरम पर था, जिसका नजारा कृष्ण व्यायामशाला से शुरू हुए श्रीराम, लक्ष्मण और प्रभु हनुमान के चल, समारोह में शामिल श्रद्धाुओं के चेहरों से झलक रहा था. जैसे ही प्रभु श्री राम ने रावण का वध किया पूरा मैदान भगवान श्री राम के जयकारों से गूंज उठा.

अवसर था दशहरा पर्व पर निकाले गए चल समारोह का, जिसका समापन रावण दहन के साथ हुआ. गुरूवार को श्री कृष्ण व्यायाम शाला से शाम करीब 4.30 बजे शुरू हुआ चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरा और जहां से भी राम भक्तों का जत्था गुजरा लोगों ने उनका पुष्पहारों से स्वागत किया. इसके पूर्व विधायक अरूण भीमावद, दशहरा उत्सव समिति संयोजक दीपक चौहान, सचिव मनीष सिसौदिया, कोषाध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति, सह संयोजक जलज ठाकुर, समिति प्रवक्ता पं. गोविंद शर्मा, अजयगिरी गोस्वामी, पवन चौहान, मंगल नाहर, कलेक्टर ऋजु बाफना एसपी यशपालसिंह राजपूत, एएसपी घनश्याम मालवीय, तुलसीराम भावसार, बंटी सिकरवार, मनीष सोनी, गोविंद नायक, पूर्व नपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, किरण ठाकुर, नपाध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, मनोहर विश्वकर्मा, उमेश टेलर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भगवान श्री राम व हनुमान जी का पूजन कर आरती की और चल समारोह के साथ स्टेडियम पहुंचे. चल समारोह का नगरवासियों द्वारा भी भव्य स्वागत किया गया. समिति सदस्यों ने शमी पूजन किया. इसके बाद शहरवासियों ने आकर्षक आतिशबाजी का आनंद लिया. आतिशबाजी के बाद भगवान श्री राम बने पात्र ने रावण का वध किया और जैसे ही रावण का अंत हुआ पूरा स्टेडियम ग्राउंड जय श्री राम के नारों से गूंज उठा.

दो बार कटा रावण का सिर, फिर हुआ रावण दहन

सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं . आशीष नागर द्वारा गठित समिति ने नगरवासियों के लिए दशहरा पर्व को आकर्षक और रोमांच से भर दिया . इस वर्ष 31-31 फीट के मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले का निर्माण करने के साथ ही चलित रावण के पुतले का भी निर्माण किया गया था . जिसका सिर प्रभु श्री राम के बाण से दो बार कटा . जिसे देख लोगों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा . अंत में प्रभु श्री राम ने रावण की नाभि में तीर मारकर रावण का वध किया . इस आयोजन में शामिल हुए लोगों ने आयोजन की खूब प्रशंसा की . वहीं सभी पदाधिकारियों की मेहनत और किए गए प्रयोगों को खूब सराहा . जिन्होने नगरवासियों के लिए आकर्षक तैयारियां करते हुए उसे धरातल पर भी उतारा .

आकर्षक अतिशबाजी का हुआ प्रदर्शन

इस बार की आतिशबाजी ने नगरवासियों का मन मोह लिया . प्रभु श्री राम और रावण के बीच हुए युद्ध स्वरूप की गई आतिशबाजी ने लोगो का मन मोह लिया . इस बार समिति अध्यक्ष चौहान सहित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा आतिशबाजी को लेकर भी विशेष तैयारियां और मेहनत की थी, जिसका नजारा लोगों ने देखा और जमकर सराहना की . जैसे-जैसे आतिशबाजी की गई लोगों ने जय श्री राम के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, इसके बाद रावण दहन किया गया .

दशानन का दहन देख मक्सी गूंज उठा जय श्रीराम के नारों से

मक्सी, 3 अक्टूबर. विजयदशमी के पावन अवसर पर गुरुवार को मक्सी नगर में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक रावण दहन भव्य रूप से संपन्न हुआ. रावण के विशालकाय पुतले का दहन होते ही पूरा दशहरा मैदान जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा.

इससे पूर्व नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रीराम, लक्ष्मण जी और हनुमान जी सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले. शोभायात्रा कचहरी चौक से सायं 5 बजे प्रारंभ हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई दशहरा मैदान पहुंची. शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया. विशेष दृश्य तब देखने को मिला जब श्रद्धालुजनों ने श्रीराम और लक्ष्मण के चरण धोकर उनका आशीर्वाद लिया. इस दौरान धार्मिक वातावरण और भक्तिमय संगीत ने आयोजन को भावविभोर कर दिया. शहरा मैदान पहुंचने पर हिंदू उत्सव समिति द्वारा भगवान श्रीराम, लक्ष्मण जी और हनुमान जी का विधिवत पूजन किया गया. मंच से रामचरितमानस का पाठ भी किया गया, जिससे समस्त वातावरण राममय हो गया. रावण दहन से पूर्व रावण के प्रतीकात्मक पूजन के बाद भगवान राम ने अग्नि बाण से रावण के पुतले का दहन किया. यह दृश्य देखने हजारों की संख्या में मक्सी सहित आसपास के ग्रामीणजन मैदान पर उपस्थित रहे. आयोजन के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से मक्सी थाना प्रभारी संजय वर्मा, कार्यपालिक दंडाधिकारी जितेंद्र चौरसिया, पटवारी सहित नगर परिषद के सीएमओ अशफाक खान की उपस्थिति में संपूर्ण कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ.

आकर्षक आतिशबाजी के बीच हुआ रावण दहन

अकोदिया रोड स्टेडियम, मंडी प्रांगण व किशोनी स्टेडियम पर हुआ आयोजन

शुजालपुर, 3 अक्टूबर. बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतिक माने जाने वाला पर्व विजयादशमी क्षेत्र में परंपरागत रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. नगर में अकोदिया रोड स्थित स्टेडियम तथा मंडी क्षेत्र का कृषि उपज मंडी प्रांगण क्रमांक 3 एवं फ्रीगंज क्षेत्र का किशोनी स्टेडियम पर शाम को रावण दहन कार्यक्रम आयोजित हुआ. जहां पर हजारों लोगों ने आकर्षक आतिशबाजी के बीच श्रीराम के जयघोष के साथ पर्व का आनंद लिया. उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार मंडी प्रांगण में आयोजित दहन समारोह में शामिल हुए और नागरिकों को पर्व की बधाई दी. रावण दहन कार्यक्रम के उपरांत नगर में शुभकामनाएं देने तथा बडों का आशिर्वाद लेने का सिलसिला देर रात तक चलता रहा.

वर्षो से निभा रहे रावण पूजा की परम्परा

नगर में पम्परागत रूप से रावण दहन के लिए चल समारोह निकाले गए. चल समारोह में बनाए गए रथ पर भगवान श्री राम, लक्ष्मण एवं हनुमानजी को परम्परागत रूप से दहन स्थल ले जाया गया. चल समारोह में बनाए गए भगवान रूपी पात्रों की जगह-जगह पूजा अर्चना की गई. चल समारोह में जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे. रावण दहन कार्यक्रम के पूर्व राघोगढ से आए आतिशबाजों ने कलात्मक आतिशबाजी के माध्यम से हजारों लोगों को रोमांचित किया. रावण दहन उपरांत नगर में लोगों ने दशहरे पर्व की बधाई दी. उधर फ्रीगंज क्षेत्र में पिपलेश्वर महादेव मंदिर से भगवान श्रीराम की शोभायात्रा निकली. इस शोभायात्रा का कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया. किशोनी स्टेडियम पर बडी संख्या में उपस्थित नागरिकों के बीच रावण दहन कार्यक्रम हुआ.

विजयदशमी पर्व पर भगवान राम की पूजा व रावण के वध की परम्परा को लम्बे समय से चली आ रही है, लेकिन नगर में एक परिवार ऐसी भी है जो कि पिछली कई पीढ़ियों से रावण की पूजा करने की परम्परा का निर्वाहन करता आ रहा है. दशहरे पर रावण की पूजा अर्चना के बाद उसके दहन की परम्परा भी इस परिवार द्वारा निभाई जा रही है. मंडी क्षेत्र में रहने वाले गोयल परिवार दशहरे पर गाय के गोबर से रावण की आकृति बनाकर उसका दहन करते है. इस संबंध में गोपाल गोयल ने बताया कि यह परम्परा पिछली कई पीढ़ियों से चली आ रही है. इस परम्परा के चलते गुरूवार की सुबह गोयल परिवार द्वारा गोबर से रावण का पूतला बनाकर उसके आसपास शस्त्र एवं व्यवसाय में उपयोगी सामग्री रख कर नगर में रहने वाले गोयल कुटूम्ब के सभी सदस्यों ने सामूहिक पूजा अर्चना की, इस के उपरांत शाम को रावण का दहन किया गया.

मिट्टी ले जाने की परम्परा जारी ...

नगर में प्रमुख दशहरा मैदान पर रावण के अलावा कुम्भकरण का पुतला मिट्टी का बनाए जाने की परंपरा चली आ रही है . रावण दहन के साथ ही कुम्भकरण के पुतले को लकडियों से पीटना शुरूकर दिया . साथ ही पुतले की मिट्टी भी साथ ले गए . इस मिट्टी से टेसू बनाने के अलावा घरों के इद्र-गिद्र रखने की प्रथा है .

एक नजर में — संघ शताब्दी वर्ष- घोष की ताल पर कदमताल करते निकले स्वयंसेवक, नगर वासियों ने की पुष्प वर्षा

ऐतिहासिक पथ संचलन निकला, 4380 स्वयंसेवकों की अनुशासनपूर्ण कदमताल

शाजापुर, 3 अक्टूबर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी पथ संचलन 2 अक्टूबर को नगर में अत्यंत अनुशासन और उत्साह के साथ निकाला गया. यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ, जिसने नगरवासियों के हृदयों में नई ऊर्जा और गर्व का संचार किया.

कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय हायर सेकेंडरी ग्राउंड पर परम पवित्र भगवा ध्वज को प्रणाम, शारीरिक प्रदर्शन और शस्त्र पूजन से हुआ. इस अवसर पर प्रकट कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें शारीरिक कसरत और योगाभ्यास किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता गायत्री शक्तिपीठ की वरिष्ठ कार्यकर्ता और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि में जिला प्रमुख श्रीमती मनोरमा सोनी ने की. समारोह के मुख्य वक्ता मध्य क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के संयोजक धीरसिंह पवैया का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ. मुख्य वक्ता श्री पवैया ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा बताते हुए कहा की डा. हेडगेवार जो कि उस समय कांग्रेस के कार्यकर्ता थे किंतु उन्होंने चिंतन किया कि कैसे हिन्दू समाज को एक किया जाए तब उन्होंने सन 1925 में हिन्दू समाज को एकजुट करने के लिए इसकी स्थापना की थी. डॉ. हेडगेवार जी ज्यादा समय तक नहीं रहे, फिर गुरुजी को सरसंघचालक बने और फिर उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाया, ए अपने ही देश में संघ पर कई बार प्रतिबंध भी लगे किन्तु

समाज के सहयोग से प्रतिबंध भी हटे और संघ फिर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा और बढ़ रहा है. संघ ने दो बार विश्व मंगल यात्रा, पूजनीय गुरूदेव की जन्म शताब्दी 2006-07 में पूरे देश में निकली एवं 2000 राष्ट्र जागरण अभियान के तहत हम गांव गांव पहुंचे. संघ ने ऐसे अभियानों के माध्यम से एक माहौल खड़ा कर दिया. शताब्दी वर्ष में संघ ने कुछ काम दिए हैं, पंच परिवर्तन के नाम से पांच काम करना है, पहला समरसता का काम करना है, दूसरा कुटुंब बिखर न जाए, कुटुंब को बांधने का काम करना है. मंच पर शाजापुर जिला सहकार्यवाह विशाल जाटव तथा नगरकार्यवाह प्रवीण पाटीदार उपस्थित थे.

मंच के दोनों ओर स्वयंसेवक परिवारों के वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं गणमान्य अतिथियों के लिए विशेष बैठक व्यवस्था की गई थी. इससे बड़ी संख्या में उपस्थित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग गर्व और उत्साह के साथ बैठकर इस भव्य कार्यक्रम के साक्षी बने. इसके उपरांत सुव्यवस्थित पंक्तियों में स्वयंसेवकों का अनुशासित पथ संचलन प्रारंभ हुआ, जो हायर सेकंडरी ग्राउंड से निकलकर बस स्टैंड, नई सड़क, चौक, किला रोड, धानमंडी, बलबीर हनुमान मंदिर, सोमवारिया बाजार, मगरीया, टेंशन चौराहा, बस स्टैंड अंदर से होता हुआ पुन: हायर सेकें डरी ग्राउंड पर पहुंचा, जहां संचलन का समापन हुआ.

50 वाहिनी सम्मिलित रही

संचलन का मुख्य आकर्षण घोष दल रहे, पूरे संचलन में कुल 50 वाहिनी सम्मिलित रही. जिनमें से 10 घोष दल थे, घोष की ताल और स्वर पर स्वयंसेवक राष्ट्रप्रथम के भाव के साथ कदमताल करते आगे बढ़ते रहे. पथ संचलन में 10 वर्ष के बाल स्वयंसेवकों से लेकर वयोवृद्ध कार्यकर्ताओं तक ने एक साथ भाग लिया, जिससे यह अनुशासन, शक्ति और संगठन का भव्य दृश्य प्रस्तुत कर रहा था. संघ के शताब्दी वर्ष के चलते यह पथ संचलन विशेष महत्व रखता है. नगर के इतिहास में यह अब तक का सबसे भव्य और ऐतिहासिक संचलन माना जा रहा है. 4380 स्वयंसेवक इस अनुशासनबद्ध पथ संचलन में सम्मिलित हुए.